



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13]

No. 13]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 15, 1982/पौष 25, 1903

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 15, 1982/PAUSA 25, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

राज्य सभा सचिवालय

प्रसिद्धनाएँ

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1982

1

संख्या आर० एन० 7/2/81-एनः—राज्य सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन विषयक नियमों में 24 दिसम्बर, 1981 को हुई राज्य सभा की बैठक द्वारा यथास्थीकृत भिन्नलिखित संशोधन एनद्द्वारा सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किये जाते हैं :—

नियम 2

1. उप-नियम (1) में "सभाओं" की परिभाषा के पश्चात् भिन्न-लिखित परिभाषा अन्तःस्थापित की जाये, अर्थात् :—

"'राज्य सभा का नेता' का तात्पर्य प्रधान मंत्री से है यदि वह सभा का सदस्य हो या उस मंत्री से है जो सभा का सदस्य हो और सभा के नेता के रूप में कार्य करने के लिए प्रधान मंत्री द्वारा नाम-निर्देशित किया गया हो ।"

नियम 7

2. उप-नियम (3) में, "प्रस्ताव वापस ले सकेगा", शब्दों के स्थान पर "प्रस्ताव उपस्थित नहीं करेगा", शब्द प्रतिस्थापित किये जायें ।

नियम 8

3. उप-नियम (1) में "चार उप-सभाध्यक्षों" शब्दों के स्थान पर "छः उप-सभाध्यक्षों" शब्द प्रतिस्थापित किये जायें ।

नियम 10

4. नियम 10 में, "कोई ऐसा ग्रन्थ" शब्दों के स्थान पर "कोई ऐसा" शब्द प्रतिस्थापित किये जायें ।

नियम 22

5. नियम 22 निकास दिया जाये ।

नियम 24

6. नियम 24 के, प्रथम पैरा में "प्रत्येक शुक्रवार, गैर-सरकारी सदस्यों के कार्य के संपादन के लिए नियत किया जायेगा" शब्दों के स्थान पर "शुक्रवार को किसी बैठक का ठाई घंटे से अग्र्यून समय गैर-सरकारी सदस्यों के कार्य के संपादन के लिए नियत किया जायेगा" शब्द प्रतिस्थापित किये जायें ।

7. द्वितीय परन्तुक के पश्चात् भिन्नलिखित परन्तुक और अन्तःस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"परन्तु यह और भी कि यदि किसी शुक्रवार को सभा की बैठक न हो तो समापति यह निदेश दे सकेगा कि गैर-सरकारी सदस्यों के कार्य के लिए उसी सप्ताह में किसी अग्र्य दिन की बैठक में ठाई घंटे से अग्र्यून नियत किये जायें ।"

नियम 25, 27, 28 तथा 60

8. "शलाका-दान" शब्द के स्थान पर, इन नियमों में जहाँ कहीं भी वह पाता हो, "लाटरी" शब्द प्रतिस्थापित किया जाये ।

नियम 25

9. उप-नियम (2), खण्ड (घ) में, "प्रतिवेदन" शब्द के स्थान पर "कोई प्रतिवेदन" शब्द प्रतिस्थापित किये जायें।

नियम 26

10. नियम 26 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"26. गैर-सरकारी सदस्यों के संकल्पों की पूर्ववर्तिता—गैर-सरकारी सदस्यों द्वारा संकल्प उपस्थित करने के आशय से दी गयी सूचनाओं की सापेक्ष पूर्ववर्तिता सभापति द्वारा दिये गये आदेशों के अनुसार शलाका-दान द्वारा उस दिन निर्धारित की जाएगी जिसका कि सभापति निर्देश दे।"

नियम 27

11. नियम 27 में, "न निबटा हो" शब्दों के स्थान पर "न लिया गया हो" शब्द प्रतिस्थापित किये जायें।

नियम 30

12. नियम 30 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"30. गठन—(1) सभापति, समय-समय पर, कार्य-मंत्रणा समिति नामक एक समिति नाम-निर्देशित कर सकेगा जिसमें सभापति तथा उप-सभापति को मिलाकर ग्यारह सदस्य होंगे।

(2) सभापति समिति का अध्यक्ष होगा।

(3) उप-नियम (1) के अधीन नाम-निर्देशित की गई समिति जब तक कार्य करती रहेगी जब तक कि एक नई समिति नाम-निर्देशित न की जाये।

(4) यदि सभापति किसी कारण से समिति की किसी बैठक का सभापतित्व करने में असमर्थ हो तो उप-सभापति उस बैठक के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा।

(5) यदि सभापति अथवा उप-सभापति, व्यापार-स्थिति, किसी कारण से किसी बैठक का सभापतित्व करने में असमर्थ हो तो समिति अपनी उस बैठक के लिए अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के लिए किसी अन्य सदस्य को चुनेगी।"

नियम 31, 33, 35, 36, 73, 84, 86, 87, 88, 90, 149 और 220

13. "राज्य सभा का सभापति" शब्दों के स्थान पर, इन नियमों में जहाँ कहीं भी वे आते हों, "सभापति" शब्द प्रतिस्थापित किया जाये।

नियम 33

14. उपनियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"(1) समिति का यह कर्तव्य होगा कि वह—

(क) ऐसे सरकारी विधेयकों के प्रक्रम या प्रक्रमों तथा अन्य कार्य पर जिन्हें सभापति राज्य सभा के नेता के परामर्श से समिति को सौंपे जाने का निर्देश दें, चर्चा की जाए; और

(ख) गैर-सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्पों के प्रक्रम या प्रक्रमों पर चर्चा के लिए समय के नियन्त्रण की सिफारिश करे।"

15. उपनियम (2) में, "समय-सूची" शब्द के स्थान पर "समय के नियन्त्रण" शब्द प्रतिस्थापित किए जायें।

नियम 34

16. नियम 34 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"34. राज्य सभा को समय के नियन्त्रण का सूचना—विधेयक या विधेयकों के समूह अथवा अन्य कार्य के बारे में समिति द्वारा अनुज्ञापित समय का नियन्त्रण सभापति अथवा, उसकी अनुपस्थिति में, उपसभापति द्वारा राज्य सभा को सूचित कर दिया जायेगा और संसदीय समाचार में अधिसूचित किया जाएगा।"

नियम 35

17. नियम 35 में, "यथाशीघ्र" शब्द की पश्चात् "उपसभापति द्वारा अथवा उनकी अनुपस्थिति में" शब्द अन्तःस्थापित किये जायें।

नियम 45

18. नियम 45 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"45. तारांकित प्रश्न जिनका मौखिक उत्तर न दिया गया हो— यदि किसी दिन मौखिक उत्तर के लिए प्रश्न-सूची में रखे गये किसी प्रश्न को उस दिन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए उपलब्ध समय में उत्तर के लिए न पुकारा जाये तो ऐसे प्रश्न का लिखित उत्तर प्रश्नों का समय समाप्त होने पर अथवा मौखिक उत्तर के लिए प्रश्नों के निपटारे के तुरन्त पश्चात्, यथास्थिति, मन्त्रालय मंत्रों द्वारा पटल पर रखा दिया गया माना जायेगा—

परन्तु यह कि यदि सभापति द्वारा पुकारे जाने पर कोई सदस्य यह कहेगा कि अपने नाम में रखे हुए प्रश्न को पूछने का उसका इरादा नहीं है तो उस प्रश्न को वापस ले लिया गया माना जायेगा और कोई लिखित उत्तर पटल पर रखा गया नहीं माना जायेगा।"

नियम 47

19. उप-नियम (2) में—

(i) खण्ड (9) में, "उसमें" शब्द के पश्चात् "सामान्यतः" शब्द अन्तःस्थापित किया जाये।

(ii) खण्ड (10) में, "किसी समिति" और "समिति", शब्दों के स्थान पर, क्रमशः "किसी संसदीय समिति" तथा "उस समिति" शब्द प्रतिस्थापित किये जायें।

नियम 50

20. परन्तु यह कि यदि उन पर विचार करने के बाद निर्देश दे सकेगा कि वह प्रश्न लिखित उत्तर के लिए प्रश्न सूची में सम्मिलित किया जाये," शब्दों के स्थान पर "और उस पर विचार करने के बाद अपना निर्णय देगा" शब्द प्रतिस्थापित किए जायें।

नियम 55

21. नियम 55 में "मौखिक उत्तर के" शब्दों के स्थान पर "मौखिक उत्तरों के लिए प्रश्नों की सूची में" शब्द प्रतिस्थापित किए जायें।

नियम 58

22. उप-नियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"(5) वह सदस्य जिसने प्रश्न की सूचना दी हो सभापति द्वारा बुलाये जाने पर प्रश्नों की सूची में उसकी संख्या का उल्लेख करते हुए प्रश्न पूछेगा और संबंधित मंत्री तुरन्त उत्तर देगा।"

नियम 64

23. उप-नियम (2) में, "लोक निर्धारणों में से व्यय" शब्दों के स्थान पर "व्यय" शब्द प्रतिस्थापित किया जाये।

नियम 96

24. खंड (4) में, "कोई संशोधन" शब्दों के पश्चात्, "तुच्छ या" शब्द अन्तःस्थापित किये जायें।

25. खण्ड (6) में "स्थल निर्धारित करेगा जहाँ" शब्दों के स्थान पर "क्रम निर्धारित करेगा जिसमें" शब्द प्रतिस्थापित किये जायें।

26. खण्ड (7) निकाल दिया जाये।

27. खण्ड (8) को खण्ड (7) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाये और इस प्रकार पुनः संख्यांकित खंड के पश्चात् निम्नलिखित नया खण्ड अन्तःस्थापित किया जाये, अर्थात् :-

"(8) सभापति किसी ऐसे संशोधन को प्रस्थापित करने से इंकार कर सकेगा जो उसकी राय में इन नियमों का उल्लंघन करता हो।"

नियम 139

28. नियम 139 में, "अनुसूची" शब्द के स्थान पर "प्रथम अनुसूची" शब्द प्रतिस्थापित किए जायें।

नियम 154

29. नियम 154 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :-

"154. सूचना-संज्ञी के प्रतिरिक्त कोई सदस्य जो गैर-सरकारी सदस्यों के संकल्पों के लिए नियत दिन पर संकल्प उपस्थित करना चाहता हो, इस आशय की सूचना लाटरी निकालने की तिथि से कम से कम दो दिन पूर्व देगा। उन सभी सदस्यों के नामों की लाटरी निकाली जायेगी जिनसे इस प्रकार की सूचनाएँ प्राप्त होंगी और वे सदस्य, जो गैर-सरकारी सदस्यों के संकल्पों के लिए नियत दिन की लाटरी में पहले पांच स्थान प्राप्त कर लेंगे, लाटरी निकालने, की तिथि से दस दिन के अन्दर एक-एक संकल्प की सूचना देने के पात्र होंगे।"

नियम 155

30. नियम 155 में, "रूप में" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अन्तःस्थापित किये जायें, अर्थात् :-

"या ऐसे अन्य रूप में जिसे सभापति समुचित समझे।"

नियम 175

31. नियम तथा उसके उप-शर्तों को निकाल दिया जाये।

नियम 180

32. उप-नियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित परम्पुक्त अन्तःस्थापित किया जाये, अर्थात् :-

"परन्तु कोई भी सदस्य किसी एक बैठक के लिए ऐसी दो से अधिक सूचनाएँ नहीं देगा।"

नियम 191

33. नियम 191 में, "या राज्य सभा के नेता द्वारा या उसकी अनुपस्थिति में" शब्दों के स्थान पर "अथवा या तो उस सदस्य

द्वारा जिसने विशेषाधिकार का प्रश्न उठाया है या" शब्द प्रतिस्थापित किये जायें।

अध्याय 17 ख-नियम 212 (ख) से 212 (घ) (मधे)

34. अध्याय 17 के पश्चात्, निम्नलिखित नया अध्याय 17 ख अन्तःस्थापित किया जाये, अर्थात् :-

"अध्याय 17 ख"

सभा पटल पर रखे गये पत्र संबंधी समिति

212 ज. सभा पटल पर रखे गये पत्रों संबंधी समिति--(1) सभा पटल पर रखे गये पत्रों संबंधी एक समिति होगी।

(2) मंत्री द्वारा पत्र राज्य सभा के समक्ष रख दिये जाने के पश्चात् समिति विचार करेगी कि--

(क) क्या संविधान के उन उपबंधों या संसद् के किसी अधिनियम अथवा किसी अन्य विधि, नियम या विनियम का अनुपालन हुआ है जिनके अनुसरण में पत्र को इस प्रकार रखा गया है;

(ख) क्या पत्र को राज्य सभा के समक्ष रखने में कोई अनुचित विलम्ब हुआ है, और यदि हाँ, तो (i) क्या इस प्रकार के विलम्ब के कारणों को स्पष्ट करने वाला एक विवरण भी पत्र के साथ-साथ राज्य सभा के समक्ष रखा गया है, और (ii) क्या वे कारण समाधानप्रद हैं;

(ग) क्या पत्र को राज्य सभा के समक्ष अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में रखा गया है, और यदि नहीं तो (i) क्या पत्र को हिन्दी में न रखने के कारणों को स्पष्ट करने वाला एक विवरण भी पत्र के साथ-साथ राज्य सभा के समक्ष रखा गया है, और (ii) क्या वे कारण समाधानप्रद हैं;

(3) समिति सभा पटल पर रखे गये पत्रों के संबंध में ऐसे अन्य कार्य भी करेगी जो इसे सभापति द्वारा समय-समय पर मीने जा सकेंगे।

212 झ. गठन--(1) समिति में दस सदस्य होंगे जो सभापति द्वारा नाम-निर्देशित किये जायेंगे।

(2) उप-नियम (1) के अधीन नाम-निर्देशित समिति कोई नई समिति नाम निर्देशित होने तक कार्य करती रहेगी।

(3) समिति में आकस्मिक रूप से रिक्त हुए स्थानों की पूर्ति सभापति द्वारा की जायेगी।

212. अ. समिति का अध्यक्ष--(1) समिति का अध्यक्ष समिति के सदस्यों में से सभापति द्वारा नियुक्त किया जायेगा।

परन्तु यदि उप-सभापति समिति का सदस्य हो तो उसे समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया जायेगा।

(2) यदि समिति का अध्यक्ष किसी कारण से कार्य करने में असमर्थ हो तो सभापति उसी प्रकार से उसके स्थान पर समिति का एक अन्य अध्यक्ष नियुक्त कर सकेगा।

(3) यदि समिति का अध्यक्ष किसी बैठक में अनुपस्थित रहे तो समिति किसी अन्य सदस्य को उस बैठक में समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के लिए चुनेगी।

212. ट. गणपूर्ति--(1) समिति की बैठक के लिए गणपूर्ति पांच से होगी।

(2) समिति का अध्यक्ष प्रथमतः या नई देगा परन्तु किसी विषय पर मतों की संख्या समान होने की अवस्था में उसका मत निर्णायक होगा और वह उसका प्रयोग करेगा।

212 ड. साक्ष्य लेने या पत्र, अभिलेख अथवा प्रलेख संग्रह की शक्ति—
(1) यदि समिति अपने कसब्य पात्रने के लिए व्यक्तियों की उपस्थिति अथवा पत्र अथवा अभिलेख प्रस्तुत कराना आवश्यक समझे तो उसे ऐसा मार्ग अपनाने की शक्ति होगी।

परन्तु सरकार किसी प्रलेख को प्रस्तुत करने में इन आधार पर इंकार कर सकेगी कि उसका प्रकट किया जाना राज्य की सुरक्षा या हित के प्रतिकूल होगा।

(2) इस नियम के उपबन्धों के अधीन रहते हुए महासचिव द्वारा हस्ताक्षरित आदेश के द्वारा किसी साक्षी को आमंत्रित किया जा सकेगा और वह ऐसे प्रलेख प्रस्तुत करेगा जो समिति के उपयोग के लिए प्रेषित हों।

(3) यह समिति के स्वबिबेक पर निर्भर करेगा कि वह अपने सामने दिये गये किसी साक्ष्य को गुप्त या गोपनीय माने।

212 ड. प्रतिवेदन का उपस्थापन.—समिति का प्रतिवेदन राज्य सभा में समिति के अध्यक्ष द्वारा या उसकी धनुषस्थिति में समिति के किसी सदस्य द्वारा उपस्थित किया जायेगा।

212 ड. प्रक्रिया का विनियमन.—समिति सभा वटल पर रखे गये पत्रों की जांच से संबंधित सभी विषयों के बारे में अपनी प्रक्रिया स्वयं निर्धारित करेगी।

212 ए. रखे गये पत्रों के बारे में राज्य सभा में मामले उठाने पर प्रतिबन्ध.—नियम 212 ज में उल्लिखित मामलों में से किसी मामले को उठाने का इच्छुक सदस्य उसके बारे में समिति से सम्पर्क करेगा और उसे राज्य सभा में नहीं उठायेगा।

नियम 213

35. नियम 213 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्:—

213. राज्य सभा के स्थानों का त्याग जाना.—(1) राज्य सभा में अपने स्थान का त्याग करने का इच्छुक सदस्य सभा में अपने स्थान का त्याग करने के आग्रह की सूचना अपने हस्ताक्षर सहित लिखित रूप में सभापति को संबोधित करेगा।

(2) यदि कोई सदस्य सभापति को व्यक्तिगत रूप से अपना त्यागपत्र देता है और उसे सूचित करता है कि त्यागपत्र स्वीच्छक और वास्तविक है और सभापति को इसके विपरीत कोई सूचना या ज्ञान नहीं है तो सभापति तुरन्त त्यागपत्र स्वीकार कर सकेगा।

(3) यदि सभापति को डाक द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति के माध्यम से त्यागपत्र प्राप्त होता है तो सभापति अपने समाधान के लिए कि त्यागपत्र स्वीच्छक और वास्तविक है ऐसी जांच कर सकेगा जैसी कि वह उचित समझे। यदि सभापति द्वारा स्वयं या राज्य सभा सचिवालय या अन्य किसी अधिकरण के माध्यम से जिसे वह उचित समझे, संक्षिप्त जांच किये जाने के पश्चात् यह समाधान हो जाता है कि त्यागपत्र स्वीच्छक या वास्तविक नहीं है तो वह त्यागपत्र स्वीकार नहीं करेगा।

(4) सदस्य अपना त्यागपत्र सभापति द्वारा स्वीकृत किये जाने से पूर्व किसी समय वापस ले सकेगा।

(5) सभापति सदस्य के त्यागपत्र को स्वीकार करने के पश्चात् यथाशीघ्र, सभा को सूचना देगा कि सदस्य ने सभा में अपना स्थान त्याग दिया है और उसने त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

स्पष्टीकरण—जब राज्य सभा सत्र में न हो तो सभापति राज्य सभा के पुनः सम्मेलन होने के तुरन्त बाद सभा को इसकी सूचना देगा।

(6) सभापति द्वारा सदस्य के त्यागपत्र को स्वीकार किये जाने के पश्चात्, महासचिव, यथामीध्र, यह जानकारी संसदीय समाचार और राजपत्र में प्रकाशित करायेगा और अधिसूचना की एक प्रति निर्वाचन आयोग को इस प्रकार रिक्त हुए स्थान की पूर्ति हेतु कार्यवाही करने के लिए भेजेगा।

परन्तु जहां त्यागपत्र अधिव्य में किसी तारीख से लागू होता है, वह सूचना जिस तारीख से त्यागपत्र लागू होता है, उन तारीख से पूर्व संसदीय समाचार और राजपत्र में प्रकाशित नहीं की जायेगी।

नियम 217

36. नियम 217 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्:—

"217. नियम समिति का गठन.—(1) नियम समिति सभापति द्वारा नाम-निर्देशित की जायेगी और उसमें सभापति तथा उप-सभापति सहित सोमह सदस्य होंगे।

(2) सभापति समिति का अध्यक्ष होगा।

(3) उप-नियम (1) के अधीन नाम-निर्देशित गमिति नई समिति के नाम-निर्देशित होने तक कार्य करती रहेगी।

(4) समिति में आकस्मिक रूप से रिक्त स्थान सभापति द्वारा भरे जायेंगे।

(5) यदि सभापति किसी कारण से समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने में असमर्थ होता उपसभापति उसके स्थान पर समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा।

(6) यदि सभापति अथवा उपसभापति, यथा-स्थिति, किसी कारण से किसी बैठक का सभापतित्व करने में असमर्थ हो, तो समिति उस बैठक के लिए अध्यक्ष के रूप में कार्य करने हेतु किसी अन्य सदस्य को चुनेगी।"

नियम 219

37. नियम 219 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्:—

"219. प्रतिवेदन का उपस्थापन—समिति का प्रतिवेदन, जिसमें उसकी सिफारिशें अन्तर्निहित होंगी, उपसभापति अथवा उसकी धनुषस्थिति में समिति के किसी सदस्य द्वारा राज्य सभा में प्रस्तुत किया जायेगा।"

नियम 220

38. उप-नियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्:—

"(1) प्रतिवेदन के प्रस्तुत किये जाने के बाद, यथामीध्र, उपसभापति अथवा उसकी धनुषस्थिति में, सभापति द्वारा नामोद्दिष्ट समिति के कोई सदस्य यह प्रस्ताव कर सकेगा कि समिति के प्रतिवेदन पर विचार किया जाये।"

39. उप-नियम (3) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्:—

"(3) प्रतिवेदन पर विचार करने का प्रस्ताव स्वीकृत हो जाने के बाद उपसभापति अथवा उसकी धनुषस्थिति में सभापति द्वारा नामोद्दिष्ट समिति का कोई सदस्य प्रस्ताव उपस्थित कर सकेगा कि राज्य सभा प्रतिवेदन में अन्तर्निहित सिफारिशों से सहमत है अथवा संशोधन सहित सहमत है।"

अध्याय 20 और नियम 222क से 222 ग (नये)

40. अध्याय 20 के पश्चात् निम्नलिखित नया अध्याय 20क अन्तःस्थापित किया जाये, अर्थात्—

“अध्याय 20क

सदस्य की गिरफ्तारी, निरोध आदि और रिहाई के बारे में समापति की सूचना

222 क सदस्य की गिरफ्तारी, निरोध आदि के संबंध में सूचना—

जब किसी सदस्य को आपराधिक आरोप पर या आपराधिक अपराध के लिए गिरफ्तार किया जाता है अथवा किसी न्यायालय द्वारा कारावास का वंश दिया जाता है या किसी कार्यपालक आदेश के अधीन निरुद्ध किया जाता है तो सुपरीसीकर न्यायाधीश मजिस्ट्रेट या कार्यपालक प्राधिकारी, यथास्थिति द्वितीय अनुसूची में उपबन्धित समुचित प्रपत्र में सदस्य की गिरफ्तारी निरोध या बाधगिद्धि, यथास्थिति के कारणों और निरोध या कारावास के स्थान को दर्शाते हुए, तुरन्त इस तथ्य की सूचना समापति को देगा।

222ख. सदस्य की रिहाई के सम्बन्ध में सूचना—

जब किसी सदस्य की गिरफ्तार किया जायेगा और दोषसिद्ध के बाद अपील के संबंधित रहने तक जमानत पर रिहा किया जायेगा या अथवा रिहा किया जायेगा, तो संबंधित प्राधिकारी द्वारा द्वितीय अनुसूची में उपबन्धित समुचित प्रपत्र में इस तथ्य की भी सूचना समापति को दी जायेगी।

222ग. गिरफ्तारी, निरोध रिहाई आदि से संबंधित सूचना का निषेधारा—

समापति, जब उसे नियम 222क या नियम 222ख में उल्लिखित सूचना प्राप्त हो जाये उसके बाद, यथाशक्य शीघ्र उसे यदि सत्र चल रहा हो तो राज्य सभा में पड़ेगा या यदि राज्य सभा का सत्र न चल रहा हो तो निदेश देगा कि उसे सदस्यों के सूचनार्थ संसदीय समाचार में प्रकाशित किया जाये।

परन्तु यह कि यदि या तो जमानत पर या अपील किये जाने पर उम्मेदवार द्वारा किसी सदस्य की रिहाई की सूचना राज्य सभा को मुक्त गिरफ्तारी की सूचना दिये जाने से पूर्व प्राप्त होती है तो उसकी गिरफ्तारी या उसकी पश्चात्तर्ती रिहाई अथवा उमके उम्मेदवार का तथ्य समापति द्वारा राज्य सभा को सूचित न किया जाये।

परन्तु यह और भी कि यदि सदस्य ने, राज्य सभा को उसकी रिहाई से अलग किये जाने से पूर्व ही, सभा में उपस्थित होना प्रारम्भ कर दिया है, तो समापति उसे सभा में पढ़कर नहीं सुनायेगा लेकिन निदेश दे सकेगा कि इसे सदस्यों के सूचनार्थ संसदीय समाचार में प्रकाशित कर दिया जाये।”

नियम 229

41. उपनियम (1) में, “प्रस्ताव” शब्द के पश्चात् “उपस्थित” शब्द अन्तःस्थापित किया जाये।

नया नियम 238 क

42. नियम 238 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाये, अर्थात्—

“238 क सदस्य के विरुद्ध आरोप के सम्बन्ध में प्रक्रिया—कोई सदस्य किसी व्यक्ति के विरुद्ध मानहानिकारक या अपराध में फँसाने वाले स्वरूप का कोई आरोप नहीं लगायेगा जब तक कि सदस्य ने समापति और संबंधित मंत्री को भी इसका पूरी सूचना न दी हो नाकि मंत्री उपर दिये जाने के प्रयोजन के लिए इन विवरों को जांच कर सके।

परन्तु समापति किसी समय किसी सदस्य को किसी ऐसे आरोप को लगाने से मना कर सकेगा यदि उसकी राय में वह आरोप गंभीर

रक्षा की शक्ति को घटाने वाला है या उस आरोप को लगाने से कोई लोक हित सिद्ध नहीं होना है।”

अनुसूचियाँ

43. “अनुसूची” को “प्रथम अनुसूची” के रूप में संश्लेषित किया जाये।

44. इस प्रकार संश्लेषित “अनुसूची” के पश्चात् निम्नलिखित नई “अनुसूची” जोड़ी जाये, अर्थात्—

“द्वितीय अनुसूची”

(नियम 222क, 222 ख, और 222ग देखिये)

किसी सदस्य की गिरफ्तारी, निरोध, दोषनिश्चि अथवा रिहाई, यथास्थिति, से संबंधित सूचना का प्रपत्र

स्थान

दिनांक

सेवा में

समापति,

राज्य सभा,

नई दिल्ली।

महोदय,

मुझे आपको यह सूचित करना है कि (अधिनियम) की द्वारा के अखीन प्रवृत्त अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देना मैंने अपना कर्तव्य समझा है कि राज्य सभा के सदस्य श्री को (यथास्थिति गिरफ्तारी या निरोध के कारण दिये जाये) के लिए गिरफ्तार/निरुद्ध किया जाये।

तदनुसार, संसद सदस्य, श्री को (दिनांक) को (समय) गिरफ्तार किया गया/निरासत में लिया गया और इस समय (स्थान) पर रखा गया है।

य

मुझे आपको यह सूचित करना है कि राज्य सभा के सदस्य श्री के आरोप (या आरोपों) (दोषनिश्चि के कारण दिये जाये) पर न्यायालय में मेरे समक्ष विचारण किया गया।

..... दिन तक विचारण चलने के बाद, मैंने उन्हें (दिनांक) को दोषी पाया और उन्हें (अर्थात्) के कारावास का दण्ड दिया।

..... को अपील करने हेतु अनुमति दिये जाने के लिए उनका आवेदन विचारार्थ लंबित है।

न्यायालय का नाम।

सुसे प्रापको सूचित करना है कि राज्य सभा के सदस्य श्री को, जिन्हें (गिरफ्तारी/निरोध/बोयसिद्धि के कारण दिये जाये) के लिए (दिनांक) को गिरफ्तारी/निरोध/बोयसिद्धि किया गया था, (गिरफ्तारी के आधार) पर (दिनांक) को रिहा कर दिया गया ।

भवदीय,

(नायाजीश, मजिस्ट्रेट या कार्यपात्रक प्राधिकारी ।”

II

संख्या ० आर०एल० ७/२/८१-एस०—राज्य सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन विषयक नियमों के नियम २२० के उपनियम (४) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, राज्य सभा के सभापति एतद्वारा जनवरी, १९८२ के १५वें दिन को ऐसी तिथि नियत करने हैं जिस तिथि को, भारत के राजपत्र प्रकाशित दिनांक १५ जनवरी, १९८२ में अधिसूचना संख्या आर एस ७/१/८१-एल, दिनांक १५ जनवरी १९८२ के अन्तर्गत प्रकाशित नियमों के संशोधन प्रबल होंगे ।

कृष्णा कुमारी चौधरी, कृते सहायक ।

RAJYA SABHA SECRETARIAT NOTIFICATIONS

New Delhi, the 15th January, 1982

I

No. RS, 7/2/81-L.—The following amendments to the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Council of States (Rajya Sabha) as adopted by the Rajya Sabha at its sitting held on the 24th December, 1981, are hereby published for general information :—

Rule 2

1. In sub-rule (1), after the definition of “Houses”, the following definition be inserted, namely :—

“ ‘Leader of the Council’ means the Prime Minister, if he is a member of the Council, or a Minister who is a Member of the Council and is nominated by the Prime Minister to function as the Leader of the Council.”

Rule 7

2 In sub-rule (3), for the words “withdraw the motion”, the words “not move the motion” be substituted.

Rule 8

3. In sub-rule (1), for the words “four Vice-Chairmen”, the words “six Vice-Chairmen” be substituted.

Rule 10

4. In rule 10, for the words “other member”, the words “a member”, be substituted.

Rule 22

5. Rule 22 be deleted.

Rule 24

6. In the first paragraph, for the words “every Friday shall be allotted for the transaction of private members’ business” the words “not less than two and a half hours of

a sitting on Friday shall be allotted for the transaction of private members’ business” be substituted.

7. After the second proviso, the following further proviso be inserted, namely :—

“Provided further that if there is no sitting of the Council on a Friday, the Chairman may direct that not less than two and a half hours of a sitting on any other day in the same week may be allotted for private members’ business.”

Rules 25, 27, 28 and 60

8. For the word “ballot” wherever it occurs in these rules, the words “draw of lot” be substituted.

Rule 25

9. In sub-rule (2), clause (f), for the words “the Report”, the words “a Report” be substituted.

Rule 26

10. For rule 26, the following rule be substituted namely :—

“26. Precedence of private members’ resolutions.—The relative precedence of notices of intention to move resolutions given by private members shall be determined by draw of lot, to be held in accordance with orders made by the Chairman, on such day as the Chairman may direct.”

Rule 27

11. In rule 27, for the words “not disposed of”, the words “not taken up” be substituted.

Rule 30

12. For rule 30, the following rule be substituted namely :—

“30. Constitution.—(1) The Chairman may, from time to time, nominate a Committee called the Business Advisory Committee consisting of eleven members including the Chairman and the Deputy Chairman.

(2) The Chairman shall be the Chairman of the Committee.

(3) The Committee nominated under sub-rule (1) shall hold office until a new Committee is nominated.

(4) If the Chairman is for any reason unable to preside over any meeting of the Committee, the Deputy Chairman shall act as the Chairman for that meeting.

(5) If the Chairman or the Deputy Chairman, as the case may be, is for any reason, unable to preside over any meeting, the Committee shall choose another member to act as Chairman of the Committee for that meeting.”

Rules 31, 33, 35, 36, 73, 84, 86, 87, 88, 90, 149 and 220

13. For the words “Chairman of the Council” wherever they occur in these rules the word “Chairman” be substituted.

Rule 33

14. For sub-rule (1), the following sub-rule be substituted, namely :—

“(1) It shall be the function of the Committee to recommend the time that should be allocated—

(a) for the discussion of stage or stages of such Government Bills and other business as the Chairman in consultation with the Leader of the Council may direct for being referred to the Committee ; and

(b) for the discussion of stage or stages of private members' Bills and resolutions."

15. In sub-rule (2), for the word "time-table" the words "allocation of time" be substituted.

Rule 34

16. For rule 34, the following rule be substituted namely :—

"34. Report of Allocation of Time to the Council.—The allocation of time in regard to the Bill or group of Bills or other business as recommended by the Committee, shall be reported by the Chairman or, in his absence, by the Deputy Chairman to the Council and notified in the Bulletin."

Rule 35

17. In rule 35, after the words "a motion may be moved" the words "by the Deputy Chairman or in his absence" be inserted.

Rule 45

18. For rule 45, the following rule be substituted namely :—

"46. Starred questions not replied orally.—If any question placed on the list of questions for oral answers on any day is not called for answer within the time available for answering questions on that day, a written answer to such a question shall be deemed to have been laid on the Table by the Minister concerned at the end of the question hour or as soon as the questions for oral answers have been disposed of, as the case may be :

Provided that if a member on being called by the Chairman states that it is not his intention to ask the question standing in his name, the question shall be treated as having been withdrawn and no written answer shall be deemed to have been laid on the Table."

Rule 47

19. In sub-rule(2)—

(i) clause (ix), after the words "shall not", the word "ordinarily" be inserted.

(ii) clause (x), for the words "a Committee" and "the Committee", the words "a Parliamentary Committee" and "that Committee" respectively, be substituted.

Rule 50

20. In the proviso, for the words "and, after considering the same, may direct that the question be included in the list of questions for written answer", the words "and after considering the same give his direction", be substituted.

Rule 55

21. In rule 55, for the words "for which oral answers are desired", the words "in the list of questions for oral answers", be substituted.

Rule 58

22. For sub-rule (5), the following sub-rule be substituted namely :—

"(5) The member who has given notice of the question shall ask the question by reference to its member on the list of questions when called by the Chairman and the Minister concerned shall give a reply immediately."

Rule 64

23. In sub-rule (2), for the words "Bills involving expenditure from public funds", the words "Bills involving expenditure", be substituted.

Rule 96

24. In clause (iv), after the words "shall not be" the words "frivolous or be", be inserted.

25. In clause (vi), for the words "the place at which" the words "the order in which", be substituted.

26. Clause (vii) be deleted.

27. Clause (viii) be renumbered as clause (vii) and after the clause so renumbered, the following new clause be inserted, namely :—

"(viii) the Chairman may refuse to propose an amendment which in his opinion contravenes these rules."

Rule 139

28. In rule 139, for the words "the Schedule", the words "the First Schedule", be substituted.

Rule 154

29. For rule 154, the following rule be substituted, namely :—

"154. Notice.—A member other than a Minister who wishes to move a resolution on a day allotted for private members' resolutions, shall give a notice to that effect at least two days before the date of draw of lot. The names of all members from whom such notices are received shall be drawn by lot and those members who secure the first five places in the draw of lot for the day allotted for private members' resolutions shall be eligible to give notice of one resolution each within ten days of the date of the draw of lot."

Rule 155

30. In rule 155, the following words be added at the end, namely :—

"or in such other form as the Chairman may consider appropriate."

Rule 175

31. The rule and the sub-heading thereto be deleted.

Rule 180

32. After sub-rule (1), the following proviso be inserted, namely :—

"Provided that no member shall give more than two such notices for any one sitting."

Rule 191

33. In rule 191, for the words "on a motion made by the leader of the Council or in his absence by any other member", the words "on a motion made either by the member who has raised the question of privilege or by any other member", be substituted.

Chapter XVIIIB—Rules 212(H) to 212(O) (New)

34. After Chapter XVIIIA the following new Chapter XVII B be inserted namely :—

"CHAPTER XVIIIB

COMMITTEE ON PAPERS LAID ON THE TABLE

212H. Committee on Papers Laid on the Table.—(There shall be a Committee on Papers Laid on the Table)

(2) After a paper is laid before the Council by a Minister the Committee shall consider—

(a) whether there has been compliance with the provisions of the Constitution or an Act of Parliament or any other law, rule or regulation in pursuance of which the paper has been so laid ;

(b) whether there has been any unreasonable delay laying the paper before the Council and if

(i) whether a statement explaining the reasons for such delay has also been laid before the Council along with the paper, and (ii) whether those reasons are satisfactory ;

(c) whether the paper has been laid before the Council both in English and Hindi and if not, (i) whether a statement explaining the reasons for not laying the paper in Hindi has also been laid before the Council along with the paper, and (ii) whether those reasons are satisfactory.

(3) The Committee shall perform such other functions in respect of the papers laid on the Table as may be assigned to it by the Chairman from time to time.

212. Constitution.—(1) The Committee shall consist of ten members who shall be nominated by the Chairman.

(2) The Committee nominated under sub-rule (1) shall hold office until a new Committee is nominated.

(3) Casual vacancies in the Committee shall be filled by the Chairman.

212J. Chairman of Committee.—(1) The Chairman of the Committee shall be appointed by the Chairman from amongst the members of the Committee :

Provided that if the Deputy Chairman is a member of the Committee he shall be appointed Chairman of the Committee.

(2) If the Chairman of the Committee is for any reason unable to act, the Chairman may similarly appoint another Chairman of the Committee in his place.

(3) If the Chairman of the Committee is absent from any meeting, the Committee shall choose another member to act as Chairman of the Committee for that meeting.

212K. Quorum.—(1) In order to constitute a meeting of the Committee, the quorum shall be five.

(2) The Chairman of the Committee shall not vote in the first instance but in the case of an equality of votes on any matter, he shall have, and exercise, a casting vote.

212L. Power to take evidence or call for papers records or documents.—(1) The Committee shall have power to require the evidence of persons or the production of papers or records, if such a course is considered necessary for the discharge of its duties :

Provided that Government may decline to produce a document on the ground that its disclosure would be prejudicial to the safety or interest of the State.

(2) Subject to the provision of this rule, a witness may be summoned by an order signed by the Secretary-General and shall produce such documents as are required for the use of the Committee.

(3) It shall be the discretion of the Committee to treat any evidence tendered before it as secret or confidential.

212M. Presentation of Report.—The Report of the Committee shall be presented to the Council by the Chairman of the Committee or, in his absence, by any member of the Committee.

212N. Regulation of Procedure.—The Committee shall determine its own procedure in connection with all matters connected with the examination of papers laid on the Table.

212O. Restriction on raising matters in Council about papers laid.—A member wishing to raise any of the matters referred to in rule 212H shall communicate it to the Committee and not raise it in the Council."

Rule 213

35. For rule 213, the following rule be substituted, namely :—

"213. Resignation of seats in Council.—(1) Member who intends to resign his seat in the Council shall intimate in

writing under his hand addressed to the Chairman, his intention to resign his seat in the Council.

(2) If a Member hands over the letter of resignation to the Chairman personally and informs him that the resignation is voluntary and genuine and the Chairman has no information or knowledge to the contrary, the Chairman may accept the resignation immediately.

(3) If the Chairman receives the letter of resignation either by post or through some other person, the Chairman may make such inquiry as he thinks fit, to satisfy himself that the resignation is voluntary and genuine. If the Chairman, after making a summary enquiry either himself or through the agency of the Rajya Sabha Secretariat or through such other agency as he may deem fit, is satisfied that the resignation is not voluntary or genuine, he shall not accept the resignation.

(4) A Member may withdraw his letter of resignation at any time before it is accepted by the Chairman.

(5) The Chairman shall, as soon as may be, after he has accepted the resignation of a member, inform the Council that the member has resigned his seat in the Council and he has accepted the resignation.

Explanation.—When the Council is not in session, the Chairman shall inform the Council immediately after the Council reassembles.

(6) The Secretary-General shall, as soon as may be, after the Chairman has accepted the resignation of a Member, cause the information to be published in the Bulletin and the Gazette and forward a copy of the notification to the Election Commission for taking steps to fill the vacancy thus caused :

Provided that where the resignation is to take effect from a future date, the information shall be published in the Bulletin and the Gazette not earlier than the date from which it is to take effect."

Rule 217

36. For rule 217, the following rule be substituted, namely :—

"217. Committee on Rules.—(1) The Committee on Rules shall be nominated by the Chairman and shall consist of sixteen members including the Chairman and the Deputy Chairman.

(2) The Chairman shall be the Chairman of the Committee.

(3) The Committee nominated under sub-rule (1) shall hold office until a new Committee is nominated.

(4) Casual vacancies in the Committee shall be filled by the Chairman.

(5) If the Chairman is for any reason unable to act as the Chairman of the Committee, the Deputy Chairman shall act as the Chairman of the Committee in his place.

(6) If the Chairman or the Deputy Chairman, as the case may be, is for any reason unable to preside over any meeting the Committee shall choose any other member to act as the Chairman of the Committee for that meeting."

Rule 219

37. For rule 219, the following rule be substituted, namely :—

"219. Presentation of report.—The report of the Committee containing its recommendations shall be presented to the Council by the Deputy Chairman or, in his absence, by any member of the Committee."

Rule 220

38. For sub-rule (1), the following sub-rule be substituted, namely :—

"(1) As soon as may be after the report has been presented, a motion may be moved by the Deputy

Chairman or in his absence by a member of the Committee designated by the Chairman that the report of the Committee be taken into consideration."

39. For sub-rule (3), the following sub-rule be substituted, namely :—

"(3) After the motion for consideration of the report has been carried, the Deputy Chairman or in his absence any member of the Committee designated by the Chairman may move that the Council agrees, or agrees with amendment, with the recommendations contained in the report."

Chapter XXA—Rules 222A to 222C (New)

40. After Chapter XX, the following new Chapter XXA be inserted, namely :—

"CHAPTER XXA

Intimation to Chairman about Arrest, Detention etc. and Release of a Member'

222A. Intimation regarding arrest, detention etc. of member.—When a member is arrested on a criminal charge or for a criminal offence or is sentenced to imprisonment by a court or is detained under an executive order, the committing judge, magistrate or executive authority, as the case may be, shall immediately intimate such fact to the Chairman indicating the reasons for the arrest, detention or conviction, as the case may be, as also the place of detention or imprisonment of the member in the appropriate form set out in the Second Schedule.

222B. Intimation regarding release of member.—When a member is arrested and after conviction, released on bail pending an appeal or is otherwise released, such fact shall also be intimated to the Chairman by the authority concerned in the appropriate form set out in the Second Schedule.

222C. Treatment of communications regarding arrest, detention, release, etc.—As soon as may be, the Chairman shall, after he has received a communication referred to in rule 222A or rule 222B, read it out to the Council if sitting, or if the Council is not sitting, direct that it may be published in the Bulletin for the information of the members :

Provided that if the intimation of the release of a member either on bail or by discharge on appeal is received before the Council has been informed of the original arrest, the fact of his arrest, or his subsequent release or discharge may not be intimated to the Council by the Chairman :

Provided further that if a member has started attending the Council before it has been informed of his release, the Chairman may not read it out to the Council but direct that it may be published in the Bulletin for the information of the members."

Rule 229

41. In sub-rule (1), for the words "made a motion" the words "moved a motion" be substituted.

New Rule 238A

42. After rule 238, the following rule be inserted namely:—

"238A. Procedure regarding allegations against members.—No allegation of a defamatory or incriminatory nature shall be made by a member against any other member or a member of the House unless the member making the allegation has given previous intimation to the Chairman and also to the Minister concerned so that the Minister may be able to make an investigation into the matter for the purpose of a reply :

Provided that the Chairman may at any time prohibit any member from making any such allegation if he is of opinion that such allegation is derogatory to the dignity of the Council or that no public interest is served by making such allegation."

Schedules

43. "SCHEDULE" may be numbered as the "FIRST SCHEDULE".

44. After the "SCHEDULE" so numbered, the following new Schedule be added, namely :—

"SECOND SCHEDULE

(See rules 222A, 222B and 222C)

Form of intimation regarding arrest, detention, conviction or release, as the case may be, of a Member.

Place.....

Date.....

To

THE CHAIRMAN,
RAJYA SABHA,
NEW DELHI.

Sir,

A

I have the honour to inform you that I have found it my duty, in the exercise of my powers conferred under Section _____ of the _____ (act), to direct that Shri _____ Member of the Rajya Sabha, be arrested/detained for _____ (reasons for the arrest or detention, as the case may be).

Shri _____, M.P., was accordingly arrested/taken into custody at _____ (time) on _____ (date) and is at present lodged in the _____ Jail _____ (Place).

B

I have the honour to inform you that Shri _____ Member of the Rajya Sabha, was tried at the _____ Court before me on a charge (or charges) of _____ (reasons for the conviction).

On _____ (date) after a trial lasting for _____ days, I found him guilty of _____ and sentenced him to imprisonment for _____ (period).

(His application for leave to appeal to* _____ is pending consideration).

*Name of the Court.

C

I have the honour to inform you that Shri _____ member of the Rajya Sabha, who was arrested/detained/convicted on _____ (date), for _____ (reasons for arrest/detention/conviction), was released on _____ (date) on _____ (grounds for release).

Yours faithfully,

(Judge, Magistrate or executive authority).

II

No. RS. 7/2[81-L.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (4) of rule 220 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Council of States (Rajya Sabha), the Chairman, Rajya Sabha, hereby appoints the fifteenth day of January, 1982, as the date on which the amendments to the Rules published under Notification No. RS.7/2[81-L., dated the 15th January, 1982, in the Gazette of India Extraordinary of the 15th January, 1982, shall come into force.

K. K. CHOPRA, for Secy. General.

